हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

100 बैड के अस्पतालों में 25 फीसद बैड कोरोना मरीजों के लिए रिजर्व

संवाददाता देहरादून। शासन ने कोरोना के मरीजों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर अब 100 बैड वाले अस्पतालों के 25 फीसद बैड कोरोना मरीजों के लिए आरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं। मकसद यह कि आवश्यकता पड़ने पर इनका उपयोग कोरोना मरीजों के उपचार के लिए किया जा सके। प्रदेश में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। यह माना जा रहा है कि जिन मरीजों के मामले अभी तक सामने आए हैं वे कई लोगों से मिले होंगे। अभी इनकी रिपोर्ट आने के बाद 14 दिन की अवधि नहीं बीती है। आशंका यह जताई जा रही है कि इस बीच इनकी संख्या में इजाफा हो सकता है।

एम्स ऋषिकेश में 100 बेड और 20 वेंटिलेटर रिजर्व

संवाददाता ऋषिकेश। ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में कोरोना वायरस के संक्रमण के भविष्य के खतरे को देखते हुए ट्रामा सेंटर में 100 बेड रिजर्व किए गए हैं। इनमें 20 बेड वेंटिलेटर सुविधा युक्त होंगे। मरीज की हालत ठीक होने के बाद इन्हें प्रशासन द्वारा अधिग्रहित किए गए होटल और कुंभ टेंट में रखे जाने की योजना है। एम्स ऋषिकेश के निदेशक प्रोफेसर रविकांत ने कहा कि एम्स परिवार की टीम कोरोना वायरस के भविष्य के खतरों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जिसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी पूरी की गई है। ट्रामा सेंटर में एक सौ बेड तैयार किए जा चुके हैं। जिनमें 20 बेड वेंटिलेटर की सुविधा युक्त होंगे।

निर्मल हॉस्पिटल में ओपीडी बंद

संवाददाता देहरादून। निर्मल आश्रम हॉस्पिटल की ओपीडी को कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे को देखते हुए बंद कर दिया गया है। हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. अजय शर्मा ने बताया कि मंगलवार से यहां सिर्फ आपातकालीन सेवाएं खुली रखी गई हैं। लॉकआउट और कोरोना के संक्रमण से बचाव के लिए निर्मल आई इंस्टीट्यूट और ज्ञानदान अकादमी के स्थापना दिवस समारोह को भी स्थगित किया गया है।

गांव और शहरों में जनप्रतिनिधि फैला रहे जागरूकता

संवाददाता देहरादून। महामारी का रूप ले चुके कोरोना वायरस से बचाव के लिए जहां हमारे करोना योद्धा लगातार अपनी जिम्मेदारियों में जुटे हैं वहीं अब जनप्रतिनिधि भी लोगों में जागरूकता फैलाने में जुट गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री अरुण मित्तल ने स्थानीय लोगों से सरकार द्वारा जारी की जा रही सूचनाओं पर अमल करने की अपील की है।

बिजली–पानी की निर्बाध आपूर्ति को विभाग तैयार

संवाददाता देहरादून। देशभर में इस समय कोरोना महामारी के संक्रमण को देखते हुए संकट की स्थिति है। उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए एहतियातन लॉकडाउन घोषित कर दिया गया है। ऐसे में आवश्यक सेवाओं और वस्तुओं की उपलब्धता को सुचारू रखने की चुनौती भी बढ़ गई है। स्वास्थ्य के साथ ही बिजली और पानी की आपूर्ति भी आवश्यक सेवाओं में शामिल हैं। ऐसे में दोनों ही विभागों की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। हालांकि, अभी तक तो दोनों ही विभागों ने आपूर्ति सुचारू रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पर आने वाले दिनों में चुनौती और बढ़ने की संभावना है। कोरोना महामारी के बीच तमाम आवश्यक सेवाओं से जुड़े विभागों के लिए यह परीक्षा की घड़ी है।

जल संस्थान और ऊर्जा निगम भी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाने का प्रयास कर रहे हैं। दोनों ही विभागों का दावा है कि आपूर्ति सुचारू रखने में जुटे कर्मियों को विशेष रूप से सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही हर हाल में मोबाइल फोन ऑन रखने को कहा गया है। हालांकि, अधिकांश कर्मियों को घर से काम करवाया जा रहा है। लेकिन, उन्हें जिम्मेदारी के निर्वहन में कोई रुकावट न आने देने के निर्देश दिए गए हैं। जल संस्थान की प्रबंध निदेशक निलिमा गर्ग ने कहा कि कोरोना के संक्रमण को देखते हुए अधिकांश कार्मिकों को घर से काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तराखंड में गरीब और जरूरतमंद नहीं रहेगा भूखा

कैबिनेट बैठक

चार मेडिकल कालेजों दून, श्रीनगर, हल्द्वानी और अल्मोड़ा को किया रिजर्व

पंजीकृत श्रमिकों को एक हजार रुपये उनके खातों में भेजने का काम शुरू

संवाददाता

देहरादून। कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए चार मेडिकल कालेजों दून, श्रीनगर, हल्द्वानी और अल्मोड़ा को सरकार ने रिजर्व कर दिया है। जरूरत पड़ी तो निजी कॉलेजों को भी अधिगृहीत किया जाएगा। कैबिनेट बैठक में ये फैसला लिया गया है।

वहीं, बैठक में ये भी फैसला हुआ कि चार जिलों देहरादून, हरिद्वार, उधमसिंहनगर, नैनीताल को 3–3 करोड़ और शेष जिलों को 2–2 करोड़ दिए जाएंगे, जिससे जिलाधिकारी राशनकार्ड धारकों के अतिरिक्त गरीब और जरूरतमंद लोगों को राशन दे सकें।

मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें कई अहम फैसलों पर मुहर लगी है। बैठक खत्म होने के बाद सरकारी प्रवक्ता और कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने पत्रकारों से वार्ता कर फैसलों की जानकारी दी। इसके साथ ही पंजीकृत श्रमिकों को एक–एक हजार रुपये उनके खातों में भेजने का काम शुरू हो गया है।

कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक पत्रकारों से वार्ता करते हुए।

कैबिनेट के अन्य फैसले

- आइआइपी और एम्स ऋषिकेश को कोरोना की जांच को टेस्टिंग लैब बनाने का प्रस्ताव केंद्र को भेजा।
- तीन कार्यरत मेडिकल कालेज में टीचिंग मेडिकल फैकल्टी भरने का अधिकार प्राचार्य, विभागाध्यक्ष को दिया। वॉक इन इंटरव्यू से होगी भर्ती।
- जिलों के अस्पतालों में चिकित्सकों के रिक्त पदों को 11 माह के लिए आउटसोर्सिंग पर भरने का अधिकार जिलाधिकारियों को दिया गया।
- सभी राशनकार्ड धारकों को अगले माह अप्रैल के पहले हफ्ते में तीन महीने का राशन दिया जाएगा।
- निजी कंपनियों को पंजीकृत 4.5 लाख कर्मचारियों की सैलरी से ईपीएफ न काटने का किया अनुरोध।
- विधानसभा का सत्र छोटा रखने का फैसला।

उत्तराखंड में अब तक जांच को भेजे 206 सैंपल

कोरोना संक्रमण

- 175 की रिपोर्ट निगेटिव, 27 सैंपल की रिपोर्ट अभी आनी बाकी

देहरादून। **संवाददाता**

उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तक जहां चार लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई है, वहीं संदिग्ध मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सोमवार को प्रदेशभर से 56 और सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं।

लगातार बढ़ रहे संदिग्ध मामले

प्रदेशभर में कई और संदिग्ध सामने आए हैं। श्रीनगर में नागपुर से लौटे एनआइटी के एक शिक्षक को होम क्वारंटाइन किया गया है। जबकि नोएडा से लौटी एक युवती बेस अस्पताल में भर्ती हुई। जनपद रुद्रप्रयाग में विदेश से लौटे 22 लोगों को गढ़वाल मंडल विकास निगम के गेस्ट हाउस में क्वारंटाइन किया गया। जनपद उत्तरकाशी से एक संदिग्ध पर्यटक एम्स ऋषिकेश में भेजा गया है। वहीं सहिया में ओमान व लंदन से लौटे युवकों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। इधर, रुड़की में विदेश व अन्य प्रभावित राज्यों से लौटे छह लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया। जबकि शिकागो से लौटे एक दंपती को होम क्वारंटाइन किया गया है।

स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. अमिता उप्रेती के अनुसार प्रदेश में अब तक 206 सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। जिनमें चार में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। जबकि 175 की रिपोर्ट निगेटिव आई है। 27 सैंपल की रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। सोमवार को 56 सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। जिनमें देहरादून से 31, हरिद्वार से 06, नैनीताल से 13, ऊधमसिंहनगर से चार और बागेश्वर व उत्तरकाशी से एक–एक सैंपल लिया गया है।

कोरोना वायरस तेजी से पैर पसारता जा रहा है। साथ ही लोगों में इसका खौफ भी बढ़ रहा है। इसका एक उदाहरण दून के कोरोनेशन अस्पताल में देखने को मिला। जहां विदेश से लौटे दो युवकों को उनके परिजन अस्पताल में भर्ती कराने पर अड़ गए। जबकि उनमें कोरोना का कोई लक्षण नहीं थे। अस्पताल पहुंचे इन लोगों ने बताया कि युवक हाल ही में दुबई से लौटे हैं। वह डॉक्टरों पर इन्हें अस्पताल में भर्ती करने का दबाव बनाने लगे। चिकित्सकों ने युवकों में कोई लक्षण नहीं होने पर उन्हें 14 दिन आइसोलेशन में रहने की सलाह दी।

पुलिस ने सड़कों से लौटाए वाहन, काटे चालानय लोगों से नोकझोंक

संवाददाता देहरादून। प्रदेश सरकार के लॉक डाउन की घोषणा के बावजूद भी मुख्य हाईवे में वाहनों की आवाजाही नजर आ रही है। इस पर सख्ती दिखाते हुए पुलिस प्रशासन हरकत में आया। कई वाहन चालकों के बेवजह इधर– उधर आवागमन को लेकर चालान भी काटे गए। कुछ लोगों को वापस भी भेजा गया।

वहीं, पब्लिक ट्रांसपोर्ट वाले वाहनों की आवाजाही बंद होने से लोग पैदल ही गंतव्य स्थान की ओर जाते दिखाई दिए। प्रदेश सरकार के लॉक डाउन के आदेश के बावजूद भी सुबह के समय मुख्य हाईवे में एकाएक वाहनों की गतिविधियां बढ़ गई। इसके बाद डोईवाला कोतवाली में प्रभारी निरीक्षक प्रदीप बिष्ट, वरिष्ठ उपनिरीक्षक महावीर सिंह रावत, उप निरीक्षक कमलेश गौड़, महिला उपनिरीक्षक ज्योति सिंह आदि पुलिसकर्मियों ने शक्ति के साथ कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए लोगों को जहां जागरूक किया। वहीं बेवजह घूमने वाले लोगों के चालान भी काटे।

In a Digital World Why
To wait for a Howker

Visit Us at http://app.page3news.co.in

Supporting Devices
All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+

Scan This Code
Read News
Watch News Channel

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०–
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।